UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Level

HINDI **9687/04**

Paper 4 Texts **October/November 2013**

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

2325329421

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए|
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या हर उत्तर-पृष्ठ पर लिखिए|
गहरे नीले या काले रंग की स्याही वाली कलम से लिखिए|
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर और गोंद या करेक्शन फ़्लुइड का प्रयोग न करें|

किन्ही **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों में से चुने जाने चाहिए| **भाग 1** से एक प्रश्न, **भाग 2** से एक प्रश्न करना अनिवार्य है| तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है|
अपने उत्तर, दी गई उत्तर-पुस्तिका पर, **हिन्दी** में लिखिए|
शब्दकोश का प्रयोग मना है|
आप परीक्षा में पाठ्य पुस्तक नहीं ले जा सकते हैं|
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए|
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिये एक समान समय दें|
परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से धागे से एक साथ बाँध दें|
हर प्रश्न के अन्त में कोष्टक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं|

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

DC (LEG/JF) 69208/1
© UCLES 2013
UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

www.theallpapers.com

भाग 1

1 कबीर ग्रंथावली – कबीरदास और श्री रामचरितमानस – तुलसीदास

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(क) निम्नलिखित दोहों की व्याख्या कीजिए, कबीरदास का तात्पर्य किस 'बिरहनीं' से है?

रात्यूं रूंनी बिरहनीं, ज्यूं बंचौ कूं कुंज।
कबीर अंतर प्रजल्या, प्रगट्या बिरहा पुंज।।1
अंबर कुंजां कुरलियाँ, गरजि भरे सब ताल।
जिनि थैं गोबिंद बीछुटे, तिनके कौण हवाल।।2
चकवी बिछुटी रैणि की, आइ मिली परभाति।
जे जन बिछुटे राम सूं, ते दिन मिले न राति।।3
बासुरि सुख नाँ रैंणि सुख, नाँ सुख सुपिनै माहिं।
कबीर बिछुट्या राम सूं, नाँ सुख धूप न छाँह।।4
बिरहनि ऊभी पंथ सिरि, पंथी बूझै धाइ।
एक सबद कहि पीव का, कब रे मिलैंगे आइ।।5

बिरह कौ अंग [25]

या

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश के उदाहरण द्वारा रामचरितमानस में भरत के चरित्र का विश्लेषण कीजिए। [25]

© UCLES 2013

www.theallpapers.com

2 प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए|

(क) निम्नलिखित कविता की प्रसंग सहित व्याख्या करते हुए उसकी साहित्यिक विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए|

मैं नीर-भरी दुख की बदली!
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली!
मेरा पग-पग संगीत भरा
श्वासों से स्वप्न - पराग झरा
नभ के नव रंग बुनते दुकूल
छाया में मलय – बयार पली|
मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल
चिंता का भार बनी अविरल
रज-कण पर जल-कण हो बरसी,
नव जीवन-अंकुर बन निकली!
पथ को न मलिन करता आना
पथ-चिह्न न दे जाता जाना;
सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अंत खिली!
विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना, इतिहास यही-
उमड़ी कल थी, मिट आज चली!

महादेवी वर्मा [25]

या

(ख) 'दो लड़के' शीर्षक कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए| प्रस्तुत कविता में सुमित्रानंदन पंत ने किस आदर्श मानवता की अभिलाषा व्यक्त की है? [25]

www.theallpapers.com

3 मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(क) निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए|

पधारो, भव भव के भगवान!
रख ली मेरी लज्जा तुमने, आओ अत्रभवान!
नाथ, विजय है यही तुम्हारी,
दिया तुच्छ को गौरव भारी|
अपनाई मुझ-सी लघु नारी;
होकर महा महान!
पधारो, भव भव के भगवान!
मैं थी संध्या का पथ हेरे,
आ पहुँचे तुम सहज सबेरे|
धन्य कपाट खुले ये मेरे!
दूँ अब क्या नव दान?
पधारो, भव भव के भगवान!
मेरे स्वप्न आज ये जागे,
अब वे उपालंभ क्यों भागे?
पाकर भी अपना धन आगे,
भूली–सी मैं भान|
पधारो, भव भव के भगवान!

यशोधरा [25]

या

(ख) 'यशोधरा' में मैथिलीशरण गुप्त ने राहुल के चरित्र द्वारा किन जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा की है? [25]

© UCLES 2013

www.theallpapers.com

भाग 2

4 जयशंकर प्रसाद – ध्रुवस्वामिनी

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए|

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में जयशंकर प्रसाद ने ध्रुवस्वामिनी के चरित्र द्वारा किस सामाजिक विषमता का चित्रण किया है? [25]

या

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' एक ऐतिहासिक नाटक होने के साथ-साथ आधुनिक युग के संदर्भ में किस प्रकार से संगत है, नाटक की कथावस्तु के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए| [25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह- सरोजिनी शर्मा

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए|

(क) 'पोस्टमैन' शीर्षक कहानी में शैलेश मटियानी पहाड़ी क्षेत्र की संस्कृति, पिछड़ापन और आचार-विचार तथा भोली भावुकता का चित्रण करने में कहाँ तक सफल हुए हैं? [25]

या

(ख) 'वापसी' कहानी में उषा प्रियंवदा ने बदलती परिस्थितियों में पारिवारिक संबंधों के बदलाव का किस प्रकार से चित्रण किया है? [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ – सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए|

(क) रामदेव धुरंधर की 'विष-मंथन' शीर्षक कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए| [25]

या

(ख) 'एम.बी.ई.' कहानी में भानुमती नागदान सामाजिक यथार्थ की त्रासदी का चित्रण करने में कहाँ तक सफल हुई हैं| कहानी की घटनाओं के उदाहरण द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए| [25]

© UCLES 2013

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

© UCLES 2013

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

© UCLES 2013

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2013

www.theallpapers.com